REFLECTIONS

Six Monthly News Letter of

LAKSHMIBAI NATIONAL UNIVERSITY OF PHYSICAL EDUCATION, GWALIOR

Ministry of Youth Affairs & Sports, Govt. of India

Vol.-3, No.1, October 2009

कुलपति का संदेश

गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने अपने सपनों के विद्या व अध्ययन केन्द्र के लिए एक आदर्श वाक्य दिया था - 'यत्र विश्वम् भवत्येक नीड़म्।' एक ऐसा शिक्षा केन्द्र जो सम्पूर्ण विश्व के ज्ञानपिपासुजनों के लिए एक नीड़ के समान हो। लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय शनैः शनैः ऐसा ही आदर्श स्वरूप ग्रहण कर रहा है। देश-विदेश के लोग समय-समय पर यहां सामूहिक रूप से ठहरें और ज्ञान-चर्चा करें, इस बात को ध्यान में रखते हुए 'महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय छात्रावास' स्थापित किया गया है। पूर्वोत्तर में गुवाहाटी के नजदीक सुरम्य स्थल पर विश्वविद्यालय ने अपना एक केन्द्र हाल ही में प्रारंभ किया है। असम के खेलमंत्री इस सिलसिले में विश्वविद्यालय परिसर देखने ग्वालियर आए और हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त की।

विश्व में जहां-जहां शारीरिक शिक्षा की उत्कृष्ट शिक्षा दी जा रही है, ऐसे विश्वविद्यालयों से एलएनयूपीई औपचारिक रूप से घनिष्ठ संबंध स्थापित कर रहा है। इस सिलसिले में हंगरी में बुडापेस्ट स्थित सिमिलविस विश्वविद्यालय व कोरिया के राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। बदलती जीवनशैली के साथ देशवासियों को सेहतमंद बनाए रखने के नये-नये उपाय बताना भी आवश्यक है। इस तारतम्य में ऐरोबिक्स, योग सहित अन्य वैकल्पिक व्यायामों को भी विश्वविद्यालय प्रोत्साहित कर रहा है जिनसे लोगों का शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक स्वास्थ्य अच्छा रहे। केन्द्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्रालय ने 'पंचायत युवा क्रीड़ा एवं खेल अभियान' (पाइका) नाम से एक महत्वाकांक्षी योजना प्रारंभ की है जिसके तहत गांव-गांव में खेल-संस्कृति विकसित करने की योजना है। इस योजना का राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र (नेशनल रिसोर्स सेंटर) एलएनयूपीई में स्थापित किया गया है। विभिन्न राज्यों से मास्टर ट्रेनर के रूप में चयनित खेल अधिकारियों को प्रशिक्षित करने का महत्वपूर्ण भार इस केन्द्र पर है। आंतरिक अनुशासन कायम रखते हुए जीवन को कैसे आनंदोत्सव में परिवर्तित किया जा सकता है, एलएनयूपीई इसका एक विलक्षण उदाहरण है। आनंद की यह धारा ऐसे उद्गम स्थलों से निकलकर विश्व में प्रसारित हो इसी मंगलकामना के साथ 'रिफ्लेक्शंस' का यह अंक हम अपने शुभचिंतकों को समर्पित करते हैं। आशा है पहली बार हिन्दी में प्रकाशित यह अंक आपको पसंद आएगा।

शिवनाथ मुखर्जी

अनुक्रमणिका

- एनसीईआरटी कार्यशाला (2)
- एलएनयूपीई को आइएसओ प्रमाण पत्र (2)
- पाइका मॉड्यूल इंटीग्रेशन कार्यशाला (3)
- डॉ. बासुमतारी इंग्लैंड गए (3)
- लाइफ सेविंग प्रशिक्षण (4)
- शेफील्ड में प्रो. विवेक पांडेय (4)
- कोरिया के प्रोफेसर चेंग का व्याख्यान (5)
- खेल दिवस (6)
- आसाम के खेलमंत्री का भ्रमण (6)
- सभी को उत्साहित करतें हैं वी.सी. (7)
- एथलीट केयर व पुनर्वास पाठ्यक्रम (7)
- अखबारों की सुर्खियां (8-9)
- हंगरी के विद्वान का व्याख्यान (10)
- डॉ. पुरषवानी जापान में (10)
- स्थापना दिवस (11)
- शिक्षक दिवस (12)
- केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. गिल का दौरा (12)
- कुलसचिव डॉ. सरकार शांतिनिकेतन में (12)
- ब्रिटिश काउंसिल - एलएनयूपीई कार्यशाला (13)
- इंडिया फिट 2009 (13)
- प्रो. डबास लंदन गए (13)
- पाइका प्रशिक्षण कार्यक्रम (14)
- प्रो. डे ने अवकाश ग्रहण किया (14)
- खेल पत्रकारिता के छात्रों का भ्रमण (15)

एनसीईआरटी की प्रतिनिधि प्रो. सरोज यादव कार्यशाला को संबोधित करती हुई व मंचासीन अतिथिगण।

एनसीईआरटी कार्यशाला में तैयार हुई शिक्षक गाइड

विद्यालय स्तरीय शारीरिक शिक्षकों के लिए शिक्षक गाइड तैयार करने के लिए एलएनयूपीई के केन्द्रीय पुस्तकालय में 2 से 4 जून तक तीन दिवसीय एन.सी.ई.आर.टी. कार्यशाला का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि कुलपति मेजर जनरल एस एन मुखर्जी ने शुभारंभ समारोह में कहा कि शारीरिक शिक्षा को विषय के रुप में अध्ययन करने पर यह हमारी दिनचर्या के अभिन्न अंग के रुप में जीवन से जुड़ जाता है और हमारे जीवन में चिकित्सक की भूमिका को कम से कम कर देता है।

उन्होंने कहा कि शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और मौलिक प्रयोगों को प्रोत्साहित करने की जरुरत है। अब से दो दशक पहले शारीरिक शिक्षक पीटी शिक्षक की भूमिका तक सीमित था। वह विद्यार्थियों में शारीरिक क्रियाओं को लेकर रुचि नहीं जगा पाता था। अब उसे अपनी शिक्षण योजना में बदलाव करने और शिक्षण में नयी प्रविधियों के प्रयोग करने की जरुरत है। हमारी शिक्षा व्यवस्था को अपना ध्यान व्यक्तित्व संवर्धन पर केन्द्रित करना होगा। उन्होंने स्वास्थ्य की विभिन्न पद्धतियों में भी अंतःसंबंधों को विकसित करने पर बल दिया और कहा कि स्वास्थ्य विज्ञान को भी विज्ञान और वाणिज्य की तरह ही एक धारा के रुप में स्वीकार किया जाना चाहिए। एनसीईआरटी की प्रतिनिधि प्रो. सरोज यादव ने कहा कि शारीरिक शिक्षा को सभी राज्यों ने एक विषय के रुप में संस्तुत किया है। पर यह अन्य विषयों के समान स्तर पर लाया जाये। इस कार्यशाला में तैयार की जाने वाली 'टीचर गाइड' केवल शिक्षक के लिए निर्देशिका भर नहीं होगी। वरन विद्यार्थियों के लिए आधार पुस्तक का काम भी करेगी। उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि 15-19 आयु वर्ग के तकरीबन पच्चीस लाख किशोर एचआईवी से पीड़ित हैं। इसलिए स्वास्थ्य को शारीरिक स्वस्थता के संदर्भ में नहीं बल्कि समग्र व्यक्तित्व के अभिन्न अंग के रुप में देखने की आवश्यकता है। प्रोफेसर सरोज यादव ने एलएनयूपीई की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस विश्वविद्यालय की संस्कृति प्रदर्शित करती है कि शिक्षण का आधार सिर्फ पुस्तकीय ज्ञान नहीं बल्कि उसका व्यवहारपरक उपयोग है।

कार्यशाला में विशेषज्ञ के रुप में कैवल्यधाम (लोनावाला) से सुश्री सुचित्रा कुमार सोहोनी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (मैसूर) से डा. वेंकटच, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (भोपाल) से श्री मोहिदर बारु, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (भुवनेश्वर) से मानस रंजन पांडा, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (अजमेर) से डा. अजय सिंह, एनसीईआरटी से श्री बी.डी. गुलाटी, एलएनयूपीई से प्रो. रमेश पाल, आभा (पुणे), डा. मोहन देशपाण्डे और संधान (जयपुर) से डा. प्रीतम पाल शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन डा. जयश्री आचार्य ने एवं आभार प्रदर्शन इस कार्यशाला के समन्वयक प्रो. रमेश पाल ने किया।

एलएनयूपीई को आइएसओ प्रमाण पत्र

अंग्रेजी में मुहावरा है 'Another Feather in the Cap' यानि मुकुट में एक और पंख। गत 14 जुलाई को जब एलएनयूपीई को आइएसओ प्रमाण पत्र हासिल हुआ तो यह एक बड़ी और नई उपलब्धि थी। विश्वविद्यालय के सातों विभाग एवं समस्त प्रशासनिक व्यवस्था को आइएसओ - 9001 : 2008 से तीन वर्ष के लिए प्रमाणित किया गया है। किसी भी संस्थान को स्वच्छता एवं उत्कृष्ट कार्यप्रणाली के लिए यह प्रमाण पत्र दिया जाता है। प्रत्येक छह माह में इसकी ऑडिटिंग की जाएगी। यूआरएस सर्टीफिकेशन लिमिटेड ने आइएसओ प्रमाण पत्र जारी किया। यह कम्पनी इंग्लैंड के समरसेट स्थित अंतरराष्ट्रीय आईएसओ प्रमाणिकरण संस्था की सदस्य है।

पाइका की मॉड्यूल इंट्रीग्रेशन कार्यशाला में चर्चा करते प्रतिभागीगण।

पाइका की मॉड्यूल इंटीग्रेशन कार्यशाला

पंचायत युवा क्रीड़ा और खेल अभियान (पाइका) एवं विभिन्न गैर सरकारी संगठनों द्वारा खेल प्रशिक्षण की एकीकृत पद्धति का निर्माण करने के लिए एलएनयूपीई में 2 से 6 जून तक पांच दिवसीय 'मॉड्यूल इंटीग्रेशन कार्यशाला' आयोजित की गई।

कुलपति मेजर जनरल एस एन मुखर्जी ने समापन समारोह में कहा कि संभवतः यह पहला अवसर है कि जब देश में खेल संवर्द्धन पर विचार करने के लिए विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संगठन एक मंच पर इकट्ठे हुए हैं। उन्होंने क्रीड़ाश्री के चयन मापदण्डों में लचीलापन अपनाने की जरुरत पर बल देते हुए कहा कि क्रीड़ाश्री के रुप में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। कार्यशाला का उद्देश्य मुख्य प्रशिक्षक और क्रीड़ाश्री के लिए गाईड लाइन तैयार करना था। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय में उपसचिव (खेल) श्री चिनप्पा ने कहा कि गाईड लाइन और 'मॉडल्स ऑफ प्रोग्राम' तैयार कर लिया गया है, पर एक व्यवस्थित पाठ्यक्रम की भी आवश्यकता है। पाइका के मुख्य तकनीकी सलाहकार डॉ. प्रेमचंद कश्यप ने कहा कि कार्यशाला में तैयार दस्तावेज समीक्षा और पुनर्मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत है। इसमें सिद्धांत, प्रयोग व समूह संवाद को शामिल कर क्रीड़ाश्री के संपूर्ण व्यक्तित्व पर ध्यान दिया गया है। एलएनयूपीई 'पाइका' की नोडल एजेंसी है।

2 जून से 6 जून तक चली इस कार्यशाला में विभिन्न संगठनों जैसे यूनीसेफ, मैजिक बस, राईट टू प्ले, ब्रिटिश काउंसिल, भारतीय पैरालिंपिक संघ एवं स्पेशल ओलंपिक, भारत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। स्वागत भाषण कार्यशाला के समन्वयक व अधिष्टाता, छात्र कल्याण प्रोफेसर ए.के. दत्ता ने दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर इन्दु मजुमदार एवं आभार प्रदर्शन कुलसचिव प्रोफेसर एल. एन. सरकार ने किया। उद्घाटन समारोह में कुलपति ने कहा कि लोगों को खेलने के लिए प्रेरित किया जाये और क्रीड़ाश्री की नियुक्ति का आधार खेल की प्रेरणा और गुणवत्ता हो। इस अभियान को खेल संस्कृति के निर्माण के साधन के रुप देखा जाना चाहिए। यूनीसेफ के प्रतिनिधि श्री विवेक रामचंदानी ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेलों को उनके विभिन्न आयामों के साथ निचले स्तरों तक ले जाने के लिए एक व्यापक कार्यक्रम तैयार करने की जरुरत है। जिससे बच्चों में उत्साह विकसित हो और उनका जीवन अधिक गुणवत्तापूर्ण हो। इसी लक्ष्य की प्राप्ति हेतु दो वर्ष के परिश्रम के पश्चात् खेलों से संबंधित विभिन्न संस्थायें एक मंच पर आ सकी हैं। इस कार्यशाला में विभिन्न संस्थाओं के विशेषज्ञ खेल के विकास पर नहीं बल्कि खेल को विकास के साधन के रुप में सामने रखकर विचार करेंगे।

...ताकि गांव के नौनिहाल आएं खेल मैदान तक

युवा मामले एवं खेल मंत्रालय में उपसचिव श्री चिनप्पा ने कहा कि युवा जनता का 75 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में है और इनमें ही खेल प्रतिभा छुपी हुई है। पाइका इसी प्रतिभा को उभारने के लिए ही शुरु किया है। इसका उद्देश्य केवल खेलों का संवर्धन नहीं है बल्कि युवाओं के बीच पनप रही अवांछनीय गतिविधियों से उनका ध्यान हटाना भी है। पाइका के मुख्य तकनीकी सलाहकार डॉ. प्रेमचंद कश्यप ने कहा कि इस वर्ष पाइका के लिए 160 करोड़ रुपए आवंटित किये गए हैं। इसका लक्ष्य है- खेलों के लिए आधारभूत संरचना का विकास और वर्ष भर गतिविधियाँ संचालित करना।

डॉ. बासुमातारी उच्च अध्ययन के लिए इंग्लैंड गए

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय के टीचर एजूकेशन विभाग में प्राध्यापक के रूप में कार्यरत डॉ. बी. बासुमातारी इंग्लैंड के शेफिल्ड हेलम विश्वविद्यालय में उच्च अध्ययन के लिए 8 सितम्बर को रवाना हुए। डॉ. बासुमातारी स्पोर्ट बिजनेस मैनेजमेंट में एम.एस.सी. पाठ्यक्रम करने के लिए गए हैं। एक साल का यह पाठ्यक्रम पूरा कर वे अगस्त 2010 में स्वदेश वापस लौटेंगे।

जीवन रक्षा के उपायों का प्रदर्शन करते सेवानिवृत्त रियर एडमिरल शर्मा।

लाइफ सेविंग प्रशिक्षण से बच सकती हैं लाखों की ज़िन्दगी

लगभग ग्यारह साल पहले दिल्ली के पास ग़ाज़ीयाबाद पुल से एक बस यमुना में गिर जाने से 29 बच्चों की मौत हो गई थी। अगर किसी को जीवन रक्षक उपायों की जानकारी होती तो कई बच्चों की जान बच सकती थी। इसी घटना ने भारत में राष्ट्रीय लाइफ सेविंग सोसाइटी को जन्म दिया।'

नौसेना में रीयर एडमिरल रहे पी.डी. शर्मा ने एक व्याख्यान व पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के तहत 21 जुलाई को लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने बताया कि देश में हर साल ढाई लाख लोग हादसों में मारे जाते हैं। मात्र जीवन रक्षक उपायों की जानकारी से इनमें से बहुतों की जिन्दगी बचाई जा सकती है।

आरएलएसएस के संस्थापक पी.डी. शर्मा का व्याख्यान

पुराने ग्रंथागार में आयोजित रीयर एडमिरल पी.डी. शर्मा के व्याख्यान व पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के अवसर पर एलएनयूपीई के कुलपति मेजर जनरल एस एन मुखर्जी व खेल प्रबंधन एवं खेल पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष प्रो. वी. के. डबास विशेष रुप से उपस्थित थे। प्रो. डबास ने रीयर एडमिरल पी.डी. शर्मा का परिचय देते हुए बताया कि सन् 1939 में आगरा में उनका जन्म हुआ। बचपन देहरादून के इंडियन मिलिट्री कॉलेज में बीता व बाद में नेशनल डिफेंस एकेडमी के मार्फत भारतीय नौसेना में गए। विभिन्न युद्ध के अवसर पर वे फाइटर पायलट भी रहे। सेना से अवकाश लेने के बाद वे साहसिक पर्यटन से जुड़े। कॉमनवेल्थ व ऑस्ट्रेलिया की लाइफ सेविंग सोसाइटी से संबद्ध इस संस्था के माध्यम से लोगों को जीवन रक्षक उपायों का प्रशिक्षण दिया जाता है। संस्था का मुख्यालय पुणे में है। एलएनयूपीई के कुलपति मेजर जनरल एस एन मुखर्जी ने बताया कि राष्ट्रीय लाइफ सेविंग सोसाइटी जैसी उपयोगी संस्थाओं के साथ विश्वविद्यालय अपना जुड़ाव कायम करेगा। पी.डी. शर्मा ने बताया कि जीवन रक्षा के प्रशिक्षण कई स्तरों के होते हैं और तीस गंभीर परिस्थितियों में जिन्दगी बचाने के उपाय इसके तहत बताए जाते हैं। इस तरह के प्रशिक्षणों से पचास फीसदी जिंदगियों को बचाया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि हादसों में ज्यादातर मौत 17 से 50 वर्ष की उम्र के लोगों की होती है। विदेशों में लोग कहने लगे हैं कि भारत में जीवन बहुत सस्ता है। जीवन रक्षा के प्रशिक्षणों से इस लांछन को मिटाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि आरएलएसएस ने अब तक 2000 डिमॉस्ट्रेशन के जरिए 30 हजार लोगों को प्रशिक्षित किया है।

प्रो. विवेक पांडेय ने शेफील्ड से खेल व्यवसाय प्रबंधन का पाठ्यक्रम पूरा किया

एलएनयूपीई अपने संकाय सदस्यों को आधुनिकतम ज्ञान से परिचित कराने के लिए विश्व के प्रतिष्ठित संस्थानों में अध्ययन का अवसर प्रदान करता रहता है। टीचर एज्यूकेशन विभाग के अध्यक्ष प्रो. विवेक पांडेय स्पोर्ट बिजनेस मैनेजमेंट में एम.एस.सी. पाठ्यक्रम पूरा करके पिछले दिनों स्वदेश वापस लौटे हैं। प्रो. पांडेय ने एक वर्ष तक इंग्लैंड के शेफील्ड हैलम विश्वविद्यालय में रहकर यह पाठ्यक्रम पूरा किया। सितम्बर 2008 में ब्रिटिश चीवनिंग स्कॉलरशिप हासिल कर उच्च अध्ययन के लिए प्रो. पांडेय विदेश गए थे। सितंबर 2009 में वापस लौटकर विश्वविद्यालय में टीचर एज्यूकेशन विभाग के अध्यक्ष के रूप में नया कार्यभार संभाला। स्पोर्ट बिजनेस मैनेजमेंट में कुल 15 विद्यार्थी थे। प्रो. पांडेय सहित इनमें तीन भारत से व अन्य न्यूजीलैंड, स्विट्जरलैंड, चीन आदि देशों से थे।

शेफील्ड का अनुभव कैसा रहा? जवाब में प्रो. विवेक पांडेय चिरपरिचित मुस्कान बिखेरते हुए कहते हैं 'बीबीसी के खेल संपादक एन्ड्रयू फिल के व्याख्यानों ने नई दृष्टि प्रदान की। मैं सौभाग्यशाली था कि एलएनयूपीई ने मुझे यह पाठ्यक्रम करने का अवसर दिया। अगले चार-पांच वर्षों में भारत में इस पाठ्यक्रम को महत्व मिलना शुरू हो जाएगा। अभी तक यह इवेंट मैनेजमेंट तक सीमित था लेकिन मीडिया के बढ़ते प्रभाव ने खेल जगत को व्यवसाय, मानव संसाधन के प्रबंधन व लोकप्रियता की दृष्टि से नये आयाम दिए हैं।'

शेफील्ड हैलम विश्वविद्यालय परिसर में प्रो. विवेक पाण्डेय।

कोरिया के प्रो. चेंग का व्याख्यान आयोजित

''लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित कर चुका है। भविष्य में वहाँ से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाएं निखरकर सामने आयें ऐसी हम ईश्वर से कामना करते हैं। कोरिया राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय और लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय इस दिशा में मिलकर काम करेंगे। यह भावनाएं कोरिया राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. क्यू किम चेंग ने व्यक्त की। प्रो. चेंग दो दिवसीय प्रवास पर यहाँ आए थे। कुलपति मेजर जनरल एस एन मुखर्जी ने प्रो. क्यू किम चेंग को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

कोरिया के प्रो. क्यू. किम चेंग दृश्य श्रव्य माध्यमों के जरिए प्रस्तुति देते हुए।

प्रो. किम चेंग ने कुलपति को कोरिया राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय का स्मृति चिन्ह भेंट किया। कुलपति मेजर जनरल एस एन मुखर्जी एवं प्रो. किम चेंग ने एम.ओ.यू. कायम करने एवं लागू करने पर विस्तृत चर्चा की जिसमें दोनों विश्वविद्यालयों के शिक्षकों एवं छात्रों के आदान-प्रदान पर बल दिया और कहा कि खेलों के क्षेत्र में आदान-प्रदान की नीति अधिक सफल रहती है क्योंकि इस नीति के तहत एक दूसरे की संस्कृति एवं भौगोलिक स्थिति को समझने का मौका मिलता है जिससे कि आने वाली कठिनाईयां दूर होती हैं। उन्होंने अपने यहाँ आने के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि कोरिया में अँग्रेजी के विशेषज्ञों की कमी है। यदि एलएनयूपीई अपने विशेषज्ञ शिक्षकों एवं छात्रों का आदान-प्रदान कुछ समय के लिए कोरिया राष्ट्रीय खेल विश्वविद्याय के साथ करता है तो हम एलएनयूपीई के हृदय से आभारी रहेंगे।

प्रो. चेंग को स्मृति चिन्ह प्रदान करते कुलपति श्री मुखर्जी।

दोनों देश शोध के विषय पर मिलकर कार्य करें, जिससे उच्च स्तरीय प्रशिक्षण में आने वाली परेशानियों को दूर किया जा सकता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए विशेषज्ञों की खोज संभव हो सकेगी। प्रो. किम चेंग ने अपने व्याख्यान से पहले कोरिया राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय की विस्तृत जानकारी वीडियो फिल्म के माध्यम से एलएनयूपीई के टैगोर सभागार में प्रस्तुत की तथा शारीरिक शिक्षा एवं एक्सरसाईज फिजियोलॉजी के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने व्याख्यान के दौरान समुद्री गोताखोरों पर किए गए शोध कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया तथा ठण्डे जलवायु में रहने से प्राणी की शारीरिक संस्थानाओं पर क्या प्रभाव पड़ते हैं इसके बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। खेलों के अच्छे प्रदर्शन के लिए हाई एल्टीट्यूड का प्रशिक्षण दिये जाने पर विशेष बल दिया जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छे परिणाम सामने आ सकें। प्रो. किम चेंग ने विश्वविद्यालय का भ्रमण कर विश्वविद्यालय के विभागों का निरीक्षण कर अपने सुझाव दिये।

गणेशोत्सव

गाइए गणपति जगवंदन

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय में गणेशोत्सव के समापन के उपलक्ष्य में भण्डारा आयोजित किया गया। गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य में सिद्धि विनायक गणपति की प्रतिमा विधि-विधान से स्थापित की गई थी। कुलपति मेजर जनरल एस.एन. मुखर्जी व कुलसचिव डॉ. एल.एन. सरकार ने इस अवसर पर गणपति की आरती की। प्रतिमा का विसर्जन तिघरा बांध में किया गया। दोपहर में आयोजित भण्डारे में विश्वविद्यालय के कर्मचारी व शिक्षकगणों ने उत्साहपूर्वक अपना योगदान दिया।

हर्षोल्लास से मनाया मेजर ध्यानचंद का जन्मदिवस

खेल दिवस पर आयोजित मैच का एक नज़ारा।

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में 29 अगस्त को खेल दिवस पर एलएनयूपीई में कई कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। इस दिन प्रातः 6 बजे मेजर ध्यानचंद के चित्र पर कुलपति मेजर जनरल एस एन मुखर्जी द्वारा पुष्पहार अर्पित किया गया तथा मेजर ध्यानचंद के जीवन व कृतित्व के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी गई।

स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों के मध्य एक विशेष फुटबाल मैच, छात्राओं के बीच बास्केटबॉल मैच व लिटरेरी सोसायटी द्वारा खेलों पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शाम 4 बजे मेजर ध्यानचंद जी की याद में हॉकी मैचों का आयोजन किया गया। पहला मैच स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों के बीच खेला गया तथा दूसरा मैच छात्राओं एवं अध्यापकों के मध्य खेला गया। दोनों ही मैच काफी रोमांचक रहे। पहला मैच स्नातकोत्तर के छात्रों ने 0 के मुकाबले 1 गोल से जीता तथा दूसरे मैच का निर्णय टाइब्रेकर द्वारा हुआ जिसमें स्टाफ की टीम ने छात्राओं की टीम को 3-1 से पराजित किया।

मैच के मुख्य अतिथि कुलपति मेजर जनरल एस एन मुखर्जी ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन प्रो. ए के. दत्ता, (अधिष्ठाता, छात्र कल्याण) ने किया। उन्होंने छात्रों को बताया कि मेजर ध्यानचंद मुख्यतः कुश्ती के खिलाड़ी थे। 16 वर्ष की आयु में उन्होंने हॉकी खेलनी शुरु की। अपनी मेहनत एवं लगन के कारण वह हॉकी के जादूगर कहलाए। उनकी विशेषता थी कि जब भी वो खेल मैदान में उतरते थे, तो उनकी टीम हमेशा विजयी होती थी। कई बार ऐसा भी हुआ कि उन्होंने बॉल को गोलपोस्ट पर मारा और यदि बॉल लगातार गोलपोस्ट से बाहर गई तो उन्होंने गोलपोस्ट की लंबाई-चौड़ाई पर शंका प्रकट की। मापने पर गोलपोस्ट गलत पाया गया। यह सब अभ्यास से ही संभव है। छात्रों को इन बातों से प्रेरणा लेना चाहिए। सायंकाल सांस्कृतिक क्लब द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस पर विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी शुरुआत की गई जिसमें छात्र एवं छात्राओं ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियाँ दी।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में सामूहिक नृत्य एवं एकल गायन आदि प्रस्तुत किए गए जिसमें भारतीय संस्कृति का समावेश स्पष्ट दिखायी दे रहा था। असमिया नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सभी सांस्कृतिक क्लब के सदस्यों को वर्ष भर के लिए जिम्मेदारियाँ दी गयीं।

असम के खेल मंत्री को बहुत भाया विश्वविद्यालय परिसर

एलएनयूपीई का एक क्षेत्रीय केन्द्र गुवाहटी में विकसित हो रहा है। इस सिलसिले में असम के खेल मंत्री भरत कुमार नरहा विश्वविद्यालय परिसर को देखने के लिए 28 सितम्बर को ग्वालियर आए। यहां उन्होंने बताया कि गुवाहटी के पास तपसिया नामक स्थान पर एलएनयूपीई के क्षेत्रीय केन्द्र के लिए 300 एकड़ जमीन आवंटित की गई है। सन् 2007 में यहां स्थित जिस खेल स्टेडियम में राष्ट्रीय खेलों का आयोजन हुआ था वह भी इस केन्द्र को सौंपा गया है। प्राकृतिक सुषमा की दृष्टि से यह स्थान बड़ा सुंदर है। उन्होंने कहा कि एलएनयूपीई का वातावरण उन्हें बड़ा आकर्षक लगा और शारीरिक शिक्षा का महत्व भी उन्हें यहां आकर समझ में आया। कार्यक्रम में एलएनयूपीई के कुलपति मेजर जनरल एस एन मुखर्जी, असम सरकार खेल विभाग के उपसंचालक व एलएनयूपीई के पूर्व छात्र प्रदीप हजारिका, कुलसचिव डॉ. एल एन सरकार, टीचर एजूकेशन विभाग के अध्यक्ष प्रो. विवेक पांडे उपस्थित थे।

पूर्वोत्तर क्षेत्र के विद्यार्थियों के साथ आसाम के खेलमंत्री भरत कुमार नरहा, कुलपति व विश्वविद्यालय के अधिकारीगण।

सभी को उत्साहित करती है श्री मुखर्जी की उपस्थिति

एलएनयूपीई के कुलपति मेजर जनरल एस एन मुखर्जी विश्वविद्यालय की प्रत्येक गतिविधि में तो उपस्थिति दर्ज कराते ही हैं, ग्वालियर नगर के अधिकांश सांस्कृतिक व बौद्धिक आयोजनों में भी मुख्य अतिथि के रूप में वे प्रतिभागियों में उत्साह का संचार करने प्रयास करते हैं। उनकी उपस्थिति श्रोताओं को उत्साहित करती है। विश्वविद्यालयीन व सार्वजनिक समारोहों में उनकी विशेष उपस्थिति अपने आप में एक रिकार्ड है। देश के महत्वपूर्ण संस्थानों के शासी निकाय से भी वे जुड़े हैं। भारत की महामहिम राष्ट्रपति ने मेजर जनरल एस एन मुखर्जी को वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का कार्यपरिषद सदस्य मनोनीत किया है। मेजर जनरल एस एन मुखर्जी नेशनल केडेट कोर (एनसीसी) के भी कर्नल कमांडेंट हैं। इस तारतम्य में गत 2 सितंबर को ग्वालियर स्थित एनसीसी के ऑफीसर ट्रेनिंग अकादमी में उन्होंने एनसीसी के महानिदेशक से वार्तालाप किया। दक्षिण भारत के कर्नाटक राज्य में कुर्ग ऐसी जगह है जिसने भारतीय सेना को कई सेनाध्यक्ष दिए। इस स्थान की स्मृतियों को संजोए ग्वालियर स्थित कुर्ग रेजीमेंट के परिसर में जब ओणम का त्यौहार मनाया गया तो कुलपति श्री मुखर्जी को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। गत सात सितंबर को महान हॉकी खिलाड़ी कैप्टन रूप सिंह की स्मृति में जब मैराथन दौड़ आयोजित की गई तो धावकों को हरी झंडी दिखाने के लिए अल सुबह वहां पहुंचे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। ग्वालियर महानगर में समय-समय पर आयोजित हॉकी, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि की स्पर्धाओं में कुलपति यथासंभव उपस्थित होकर खेल प्रेमियों में उत्साह का संचार करने का प्रयास करते रहे हैं। झारखंड राज्य के जमशेदपुर में आयोजित राष्ट्रीय सेना फुटबॉल शिविर में श्री मुखर्जी मुख्य अतिथि के रूप उपस्थित हुए। मुंबई के बडाला स्थित वी.पी.सी.ए. कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन में आयोजित एक संगोष्ठी में उन्हें विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। पश्चिम बंग के मुर्शिदाबाद जिला स्थित बेरहामपुर में यूनियन क्रिसिच्चियन ट्रेनिंग कॉलेज में भारत में शारीरिक शिक्षा की स्थिति पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें श्री मुखर्जी अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। पश्चिम बंगाल का मेदनीपुर जिला नक्सलवादी चरमपंथियों से प्रभावित है। वहां खेलकूद के माध्यम से वातावरण बदलने के लिए जब पश्चिम बंगाल सरकार के उच्च शिक्षा विभाग ने गत 22 से 23 अगस्त को मुगबेरिया गंगाधर महाविद्यालय भूपति नगर में शारीरिक शिक्षा पर केन्द्रित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी में मेजर जनरल एस एन मुखर्जी ने मुख्य अतिथि के रूप में विचार व्यक्त किए। गत 31 अक्टूबर को उड़ीसा के राउरकेला स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में वार्षिक एथलेटिक स्पर्धाओं के समापन समारोह में कुलपति को मुख्यअतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। श्री मुखर्जी को ग्वालियर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा समय-समय पर सम्मानित किया जाता रहा है।

एथलीट केयर व पुनर्वास पाठ्यक्रम प्रारंभ

उत्कृष्ट खिलाड़ी तैयार होने में सिर्फ परिश्रम व धैर्य की ही आवश्यकता नहीं होती बल्कि अत्यधिक सावधानी की भी जरूरत होती है। मामूली चोट से भी खिलाड़ियों का बचाव जरूरी होता है। खेलों में जरा सी चोट किसी भी संभावनाशील खिलाड़ी के भविष्य को अंधकारमय बना सकती है। खिलाड़ियों को इस तरह के हादसों से बचाने व उबारने के लिए ऐसे विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है जो फिजियोथैरेपी व वैकल्पिक चिकित्सा में सिद्धहस्त हो। ऐसे विशेषज्ञ तैयार करने के लिए ही एलएनयूपीई के योग एवं स्वास्थ्य विज्ञान विभाग ने इस दिशा में पाठ्यक्रम चलाने की पहल की है। एलएनयूपीई के कुलपति मेजर जनरल एस.एन. मुखर्जी ने यह विचार विश्वविद्यालय परिसर में योग एवं स्वास्थ्य विज्ञान विभाग के तत्वावधान में शुरू हुए एथलेटिक केयर एवं रीहेबिलिटेशन (पुनर्वास)

कार्यक्रम में संबोधित कर रही हैं श्रीमती तुषारकणा मुखर्जी।

कुलपति ने कहा, चोट से भी खिलाड़ियों का बचाव जरूरी

सर्टीफिकेट कोर्स के शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

विशिष्ट अतिथि श्रीमती तुषारकणा मुखर्जी ने चोट लगने के बाद खिलाड़ियों के पुनर्वास को बहुत गंभीरता से लेने की जरूरत बताते हुए कहा कि हादसा होने के बाद शुभचिंतक आते हैं, सांत्वना भी देते हैं लेकिन खिलाड़ी उस चोट से उबर सके इसका प्रबंध बहुत कम लोग करते हैं। पाठ्यक्रम की जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. पी.के. पांडेय ने बताया कि सन् 1984 में सबसे पहले इस तरह का पाठ्यक्रम आयोजित हुआ था। इसके पश्चात् मेडिकल कालेजों के अध्यापकों को इसकी जानकारी देने के लिए संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। कुलसचिव डा. एल.एन. सरकार ने योग एवं स्वास्थ्य विज्ञान विभाग के शुरूआती वर्षों को याद करते हुए कहा कि पिछले पच्चीस वर्षों में इस विभाग ने बहुत तरक्की की है। उन्होंने कहा कि एथलीट केयर व रीहेबीलिटेशन जैसे विषय शारीरिक शिक्षा, चिकित्सा विज्ञान व फिजियोथैरेपी के विशेषज्ञों के संयुक्त प्रयास से आगे बढ़ सकते हैं। डा. विलफ्रेड वाज ने स्वागत भाषण दिया व डा. वी डी बिदल ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती जी ललिता ने किया।

अखबारों की सुर्खियां

खेल सचिव का आह्वान 'खेलो इंडिया खेलो'

LNUPE's sports training camp inaugurated

Camp dedicated to martyr soldier Shashindra Singh

Unity messenger from Mumbai arrives in Gwalio

एलएनयूपी

एलएनयूपीई ने इंट्राम्यूरल प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

अच्छी खबर एलएनयूपीई के छात्र भाग लेंगे कॉमनवेल्थ गेम्स 2010 में

चमकेंगे हमारे सितारे

एलएनयूपीई में खेल गांव जैसा माहौल

ग्वालियर। लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय का परिसर इन दिनों सुबह खेल गांव जैसा नजर आता है। खेल प्रेमी, बालक एवं बालिकाएं हरे भरे मैदानों पर, जिम्नेजियम में, इंडोर हॉल में या स्वीमिंग पूल में तरह-तरह के खेलों का आनंद ले रहे हैं। इस साल शहीद शशीन्द्र सिंह की स्मृति में आयोजित समरकैम्प के तहत लगभग सोलह सौ से अधिक बालक-बालिकाएं हिस्सा ले रहे हैं। छात्र छात्राओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 7 मई से आउटडोर खेल जनरल एस एन मुखर्जी के संरक्षण एवं 20 मई से

एलएनयूपीई सहभागिता के लिए तत्पर: मुखर्जी

पत्रकारवार्ता को संबोधित करते कुलपति मेजर जनरल एस.एन. मुखर्जी।

तीन दिवसीय एनसीईआरटी कार्यशाला का समापन

जीवनरक्षक उपायों की दी जानकारी

एलएनयूपीई में व्याख्यान आयोजित

एलएनयूपीई में 'इंडिया फिट 2009' अक्टूबर से

एरोबिक्स और डांस दुनि का होगा संगम

अब एथलेटिक केयर कोर्स भी

ई में होता है सितारों का जन्म

गुवाहाटी में नौ से प्रारंभ होगा एलएनयूपीई का क्षेत्रीय केंद्र

ग्वालियर। लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय का क्षेत्रीय केंद्र नौ अक्टूबर से गुवाहाटी में खुलेगा। इस अवसर पर एलएनयूपीई के साथ आसाम सरकार एक एमओयू पर हस्ताक्षर करेगी। यह बात मंगलवार को आसाम के खेल मंत्री भरत कुमार नरहा ने कही। वे एलएनयूपीई में पंचायत युवा क्रीड़ा और खेल अभियान के तृतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अध्यक्षता विवि के कुलपति एसएन मुखर्जी ने की।

रविंद्रनाथ टैगोर सभागार में आयोजित कार्यक्रम में 17 राज्यों से आए 100 प्रशिक्षकों ने अपनी ...

देश सेवा के लिए अच्छी तंदरुस्ती जरूरी: मुखर्जी

खिलाड़ियों को सौगात

तृतीय राष्ट्रीय कोचिंग कैम्प का समापन

प्रशिक्षण दिया गया। तैराकी टीम मुख्य कोच प्रो. वी.के. डबास सहायक कोच देवेंद्रसिंह तोमर हैं। तैराकी में देश के विभिन्न राज्यों के कुल 9 तैराकों को प्रशिक्षण दिया गया। इनमें मध्यप्रदेश से कु. विनीता

ग्वालियर। विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर मनोरंजक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लक्ष्मीबाई शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय ...

तरक्की का राज है अच्छा स्वास्थ्य

... विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर मनोरंजक खेलकूद गतिविधि ... से लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा विश्वविद्या... ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से ... से प्रारंभ हुई। ... स्कूलों के प्राचार्य हिस्सा ले रहे हैं। ... के सीबीएसई स्कूलों के ... एलएनयूपीई के कुलपति मेजर जनरल ... के रूप में ... अच्छी तंदुरुस्ती के बिना देश की ... सब जानते हैं कि अच्छी ... विद्यालयों में खेलकूद को उचित ... इसके बावजूद ... ब्रिटिश काउंसिल की प्रतिनिधि सुश्री मोना शिफ्ले ने स्कूलों में ... गतिविधियों का जिक्र करते हुए कहा कि ... ना ही एक सुंदर भविष्य की क... स्वागत भाषण प्रो. मोनिका देवनाथ ने दिया।

मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम पायिका के समापन समारोह को संबोधित करते एलएनयूपीई के कुलपति एसएन मुखर्जी।

या में छाएगा एलएनयूपीई

पद्मिनी हाउस को पुरस्कृत करते अतिथि।

ग्रामीण खिलाड़ियों को बनाएं विश्वस्तरीय

ग्वालियर। केंद्रीय खेल मंत्रालय द्वारा ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को तलाशने व तराशने के लिए शुरू किए गए कार्यक्रम पंचायत युवा क्रीड़ा एवं खेल अभियान (पायिका) के मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज यहां एलएनयूपीई में समापन हुआ। 19 अगस्त से शुरू ... राष्ट्रीय स्तर के ...

खिलाड़ी विश्व स्तर पर प्रदर्शन कर ... हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को कार्य... के मुख्य तकनीकी सलाहकार ... व यूनिसेफ के प्रतिनिधि ... डिसूजा ने भी संबोधित किया। ... का संचालन प्रो. विवेक पांडेय ... प्रदर्शन कुलसचिव डॉ. ... सरकार ने किया। ... कल्याण प्रो. ए.के. दत्ता ने ...

हंगरी के विद्वान का व्याख्यान

विशेष व्याख्यान से पूर्व दीपप्रज्ज्वलन करते डॉ. जोज़फ बोम्नार।

यूरोपीय देश हंगरी स्थित सेमिलविस विश्वविद्यालय के अकादमिक विभाग के डीन डॉ. जोज़फ बोम्नार ने 30 सितंबर को लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अपने देश की शारीरिक शिक्षा की वर्तमान स्थिति व इतिहास से परिचित कराया। एलएनयूपीई के टैगोर हॉल में आयोजित इस व्याख्यान के अवसर पर कुलपति मेजर जनरल एस एन मुखर्जी, कुलसचिव डॉ. एल एन सरकार, अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. रमेश पाल, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ए के दत्ता विशेष रूप से उपस्थित थे। डॉ. जोज़फ बोम्नर ने बताया कि हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट स्थित जिस सेमिलविस विश्वविद्यालय में वे पढ़ाते हैं उसकी स्थापना लगभग दो शताब्दी पूर्व हुई थी। शारीरिक शिक्षा पर केन्द्रित इस विश्वविद्यालय में तीन महत्वपूर्ण संस्थान हैं जो रोग से बचाव, उपचार व पुनर्वास के सिद्धांत पर केन्द्रित हैं। ओलंपिक खेलों में हंगरी ने 463 पदक जीते हैं। इनमें से 160 स्वर्ण हैं। ओलंपिक पदक विजेताओं के लिए यहां शारीरिक शिक्षा के पाठ्यक्रम संचालित हैं। इसके अलावा बीपीई, एमपीई व खेल प्रबंधन के पाठ्यक्रम हैं।

डा. जोज़फ के व्याख्यान से पूर्व कुलपति मेजर जनरल एस एन मुखर्जी ने बताया कि एलएनयूपीई के अध्यापक समय-समय पर सेमिलविस विश्वविद्यालय में अल्पकालीन पाठ्यक्रमों के लिए जाते रहते हैं। शीघ्र ही दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षणिक आदान-प्रदान के लिए एक स्थायी सहयोग की व्यवस्था होगी।

कार्यक्रम के संचालन के दौरान श्रीमती इंदु बोरा ने अतिथि का परिचय देते हुए बताया कि डॉ. जोज़फ ने कैंटरबरी, विस्कोंसिन आदि विश्वविद्यालयों में अध्ययन किया है व 11 पुस्तकों की रचना के साथ-साथ 76 संगोष्ठियों में हिस्सा लिया है।

डॉ. पुरषवानी ने पढ़ा जापान में शोध पत्र

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय, ग्वालियर के व्याख्याता डॉ. पुष्पेन्द्र पुरषवानी ने 25 से 27 अप्रैल 2009 तक जापान के योकोहामा शहर में आयोजित इंटरनेशनल टेबिल टेनिस फेडरेशन स्पोर्ट साइंस कांग्रेस में शोध पत्र प्रस्तुत किया। डॉ. पुरषवानी के शोध पत्र का शीर्षक था 'कंस्ट्रक्शन ऑफ नॉर्म्स फॉर स्किल टेस्ट फॉर टेबिल टेनिस प्लेयर्स'। इस संगोष्ठी में 23 देशों के दो सौ से अधिक प्रतिनिधि सम्मिलित हुए जिसमें डॉ. पुरषवानी के अग्रज एवं एलएनयूपीई के पूर्व छात्र श्री मनोज पुरषवानी ने दुबई (यू.ए.ई.) का प्रतिनिधित्व किया।

योकोहामा मेडिकल सेंटर में इंटरनेशनल टेबिल टेनिस फेडरेशन स्पोर्ट साइंस कांग्रेस समिति के तत्वावधान में आयोजित इस 11वी संगोष्ठी के संपन्न होने के बाद प्रतिभागियों के लिए मैत्री टेबिल टेनिस स्पर्धा का भी आयोजन किया गया जिसमें डॉ. पुष्पेन्द्र पुरषवानी सेमीफाइनल तक पहुँचे।

डॉ. पुष्पेन्द्र और मनोज पुरषवानी अन्तरराष्ट्रीय टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष अदम शेरा के साथ।

प्रारंभिक दौर में जापान, ताइवान व फिलिपीन्स के खिलाड़ियों को हराने के बाद सेमीफाइनल में डॉ. पुरषवानी का मुकाबला चीन से हुआ। उन्हें बतौर बादगार अधिकारिक स्मृतिचिन्ह प्रदान किया गया व उन्हें इंटरनेशनल टेबिल टेनिस फेडरेशन स्पोर्ट्स साइंस कांग्रेस की सदस्यता की पेशकश की गई। इसके पश्चात् संगोष्ठी के प्रतिनिधियों ने 28 अप्रैल से 5 मई तक आयोजित 50वीं विश्व टेबिल टेनिस चैम्पियनशिप का तकनीकि अवलोकन किया।

वीरांगना लक्ष्मीबाई प्रतिमा के समक्ष एकत्रित विश्वविद्यालय परिवार।

बीते दिनों की यादों में डुबो गया स्थापना दिवस

विश्वविद्यालय की स्थापना के 52 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी 15-17 अगस्त को विश्वविद्यालय में 'स्वतंत्रता दिवस', 'स्थापना दिवस' और 'पुरातन छात्र दिवस' से संबंधित कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई। इस कार्यक्रम श्रृंखला में विश्वविद्यालय के 1959-62 सत्र में अध्ययनरत रहे तीसरे बैच (गोल्डन जुबली बैच) और 1984-87 सत्र के 27वें बैच (सिल्वर जुबली बैच) के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुति ने सबका मन मोहा।

यह आयोजन गोल्डन व सिल्वर जुबली बैच के विद्यार्थियों की स्मृति में दर्ज पुराने दिनों की याद ताजा कर गया। 16 अगस्त को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ग्वालियर खण्डपीठ के न्यायमूर्ति सुभाष संक्तसर ने लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय की वर्ष भर चलने वाली अंतःआवासीय (इन्ट्राम्यूरल) प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। कुलपति मेजर जनरल एस एन मुखर्जी ने स्वागत भाषण में कहा कि इन्ट्राम्यूरल्स मिनी ओलंपिक की तरह है और इनसे ही एलएनयूपीई के सितारों का जन्म होता है। मुख्य अतिथि न्यायाधीश सुभाष संक्तसर ने कहा कि शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में न सिर्फ भारत बल्कि एशिया में अपनी तरह का अकेला यह संस्थान नित नई ऊँचाईयों को स्पर्श करे।

मुख्य अतिथि द्वारा इन्ट्राम्यूरल्स के औपचारिक उद्घाटन की घोषणा के उपरान्त इन्ट्राम्यूरल सचिव (छात्र) अंशुमन ने प्रतिभागियों को इन्ट्राम्यूरल शपथ दिलाई। संकाय सदस्य डॉ. जयश्री आचार्य ने इन्ट्राम्यूरल प्रतियोगिता के बारे में जानकारी दी। पथ संचलन प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में कर्नल हिलरी वॉज, लेटिनेंट कर्नल रवि श्रीवास्तव, लेटिनेंट कर्नल जे. के. मेनन, प्रोफेसर सी.वी. राव और एलएनयूपीई के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए. के. दत्ता शामिल थे। मुख्य अतिथि न्यायाधीश सुभाष संक्तसर ने इस अवसर पर तारकनाथ प्रमाणिक द्वारा लिखित और डॉ. पी. के. पाण्डे द्वारा संपादित पुस्तक 'स्वस्थ खिलाड़ी, उज्ज्वल भविष्य' का विमोचन किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती इंदु बोरा ने किया और डॉ. विनीता मिश्रा ने सभी का आभार व्यक्त किया। एलएनयूपीई में स्वतंत्रता दिवस समारोह भी बड़ी धूमधाम से मनाया गया। दोपहर में छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय परिसर में 'फन फेयर' का आयोजन किया। इस फन फेयर में छात्र-छात्राओं ने अपने-अपने विभाग की ओर से स्टॉल लगाए।

स्वतंत्रता दिवस की संध्या पर एलएनयूपीई के पुरा-छात्रों का कुलपति मेजर जनरल एस एन मुखर्जी द्वारा सम्मान किया गया। सम्मानित होने वाले पुरा छात्र श्री पी. सी. कापड़ी, श्री के. पी. श्रीजीत, डॉ. एस. भट्टाचार्य, डॉ. गीता प्रिय गोस्वामी, लीजा अब्राहम, सतीश कुमार तोमर, डॉ. राजेश मिश्रा एलएनयूपीई के 27वें बैच के छात्र रहे हैं। सम्मान समारोह के दौरान 16वें बैच के छात्र विशेष रूप से उपस्थित थे। 17 अगस्त को कुलपति मेजर जनरल एस एन मुखर्जी ने विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को सम्मानित किया। इस दिन सर्वधर्म पूजा का आयोजन विश्वविद्यालय मंदिर में किया गया।

अनूठे अंदाज में मनाया गया शिक्षक दिवस

महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन यूं तो देशभर में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है और इस दिन शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए अनेकों समारोह भी होते हैं। लेकिन लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस बड़े अनूठे अंदाज में मनाया जाता है। इस दिन विद्यार्थी विश्वविद्यालय का अनौपचारिक कार्यभार संभालते हैं। अलग-अलग कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों को पढ़ाते हैं और वरिष्ठ विद्यार्थियों में से ही किसी एक को कुलपति भी मनोनीत किया जाता है।

हर साल की तरह इस बार भी इस परंपरा का न सिर्फ बखूबी निर्वाह किया गया बल्कि एक नई पहल के जरिए इसमें चार चांद लगाए गए। विद्यार्थियों ने प्रत्येक अध्यापक को एक-एक पौधा भेंटकर पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संदेश पहुंचाया। एलएनयूपीई प्रशासनिक भवन के सामने सभी विद्यार्थी और शिक्षक एकत्रित हुए। विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों से आशीर्वाद ग्रहण किया। इसके पश्चात् टैगोर सभागार में विश्वविद्यालय परिवार एकत्रित हुआ। एक-एक कर शिक्षक को मंच पर आमंत्रित कर विद्यार्थियों की ओर से सम्मानित किया गया। हर शिक्षक की प्रशस्ति में विद्यार्थियों ने टाइटल तैयार किये थे।

शिक्षक दिवस पर नृत्य की प्रस्तुति देते युवा प्राध्यापक गण व इंसेट में कुलपति को क्रिसमस ट्री भेंट करते विद्यार्थी।

अध्यापक मंच पर आते गए और उन्हें डॉ. राधाकृष्णन की प्रतिमा के समक्ष खींचा गया समूह चित्र भेंट किया गया। इसके साथ ही एक और नायाब तोहफा सभी अध्यापकों को भेंट किया गया, और यह था क्रिसमस ट्री का एक पौधा। क्रिसमस ट्री को लोग एरोकेरिया के नाम से भी जानते हैं। पर्यावरण चेतना की दिशा में विद्यार्थियों की खूब सराहना की गई। शाम को करिअप्पा कॉम्पलेक्स में अध्यापकों के लिए मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया इसके बाद टैगोर सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर कुलपति मेजर जनरल एस.एन मुखर्जी सहित उनकी पत्नी श्रीमती तुषारकना मुखर्जी व समस्त अध्यापक उपस्थित रहे।

केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. गिल का दौरा

केन्द्रीय खेल एवं युवा मामलो के मंत्री डॉ. एम.एस. गिल 2 अगस्त को शिवपुरी में नवनिर्मित स्टेडियम के लोकार्पण समारोह में उपस्थित हुए। इस बीच उन्होंने एलएनयूपीई के अतिथि निवास पहुंचकर विश्वविद्यालय की प्रगति के संबंध में कुलपति मेजर जनरल एस एन मुखर्जी से चर्चा की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ठातागण, विभागाध्यक्ष, कुलसचिव व प्रशासनिक अधिकारीगण उपस्थित थे। कुलपति ने केन्द्रीय खेल मंत्री को विश्वविद्यालय की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि महात्मा गांधी की स्मृति में बन रहा अंतरराष्ट्रीय छात्रावास शीघ्र ही बनकर तैयार हो रहा है। साथ ही विद्यार्थियों की मैस का कायाकल्प किया गया है। कुलपति ने विश्वविद्यालय की अकादमिक प्रगति से भी केन्द्रीय खेलमंत्री को परिचित कराया।

कुलसचिव डॉ. सरकार शांतिनिकेतन में

गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा स्थापित शांतिनिकेतन स्थित विश्वभारती विश्वविद्यालय में गत 10 मई को एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। शारीरिक शिक्षा में पीएचडी शोध प्रबंध की पूर्व प्रस्तुति पर केन्द्रित इस संगोष्ठी में लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. एल एन सरकार बाह्य विशेषज्ञ के रूप में सम्मिलित हुए। स्वयंसेवी संस्था ग्वालियर विकास समिति ने भी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए डॉ. एल एन सरकार को सम्मानित किया।

कार्यशाला को सम्बोधित करतीं ब्रिटिश काउंसिल की प्रतिनिधि सुश्री मोना शिप्ले।

स्कूलों को बनाएं आनंद की पाठशाला

ब्रिटिश काउंसिल व एलएनयूपीई का प्रयास

विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर मनोरंजक खेलकूद गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में दिल्ली के सीबीएसई स्कूलों के प्राचार्यों ने हिस्सा लिया। उद्घाटन समारोह में कुलपति मेजर जनरल एसएन मुखर्जी ने कहा कि हम सब जानते हैं कि अच्छी तंदुरस्ती के बिना देश की बेहतर सेवा नहीं की जा सकती। इसके बावजूद विद्यालयों में खेलकूद को उचित महत्व नहीं मिलता, प्राथमिक स्कूलों में तो खेलकूद के शिक्षक तक नहीं होते। खेलकूद और मनोरंजन विहीन परिवेश का बच्चों के मन-मस्तिष्क पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इंग्लैंड सहित यूरोप के विभिन्न देशों में इस दिशा में बहुत कुछ सार्थक हुआ है। उसी को पाइलट प्रोजेक्ट के रूप में दिल्ली के सीबीएसई स्कूलों में ब्रिटिश काउंसिल की मदद से क्रियान्वित करने का प्रयास किया जा रहा है।

श्री मुखर्जी ने शारीरिक शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि यह विषय अब विधिवत वैज्ञानिक स्वरूप लेता जा रहा है। समग्र दृष्टि से आज शिक्षा को देखें तो मानसिक व आध्यात्मिक विकास के साथ-साथ शारीरिक विकास भी शामिल है। अच्छी सेहत जीवन की गुणवत्ता को बयान करती है, इसलिए एलएनयूपीई जैसे विश्वविद्यालयों में इस दिशा में जो कुछ शोध हो रहे हैं उनका लाभ स्कूलों में प्राथमिक स्तर से उपलब्ध कराने की कोशिश होनी चाहिए। ब्रिटिश काउंसिल की प्रतिनिधि सुश्री मोना शिप्ले ने स्कूलों में खेलकूद व मनोरंजक गतिविधियों की विसंगतियों का जिक्र करते हुए कहा कि कागजों में कुछ होता है और यथार्थ में कुछ। खेलकूद गतिविधियों के बिना न तो विद्यालयों में एक आनंददायक वातावरण बन सकता है, न ही एक सुंदर भविष्य की कल्पना की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि वे लगभग 15 बार एलएनयूपीई में आ चुकी हैं, उन्हें यह महसूस हुआ है कि खेलकूद संबंधी कार्यशालाओं के लिए यहां से उपयुक्त कोई और जगह नहीं हो सकती। कार्यक्रम में स्वागत भाषण प्रो. मोनिका देवनाथ ने दिया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. एल.एन. सरकार विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. इंदु मुजूमदार ने व आभार वीरेन्द्र झांझरिया ने व्यक्त किया।

एलएनयूपीई में दी पैरालिम्पिक कोचिंग

विभिन्न खेल संगठनों को एलएनयूपीई हरसंभव सहायता करता है भारतीय पैरालिंपिक कमेटी व राष्ट्रीय पैरालिंपिक तैराकी संघ के तत्वावधान में 19 मई से 22 जून तक द्वितीय राष्ट्रीय कोचिंग कैम्प का आयोजन किया गया। इन शिविरों का आयोजन राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों के सिलसिले में किया गया। राष्ट्रमंडल खेलों में मुख्य खेलों के साथ-साथ पैरा स्पोर्ट्स यानी विकलांग खिलाड़ियों की स्पर्धाओं का आयोजन भी होना है। पैरा स्पोर्ट्स के तहत तैराकी, एथलेटिक, टेबिल टेनिस व पॉवर लिफ्टिंग को शामिल किया गया है। तैराकी के साथ-साथ एथलेटिक्स टीम को भी प्रशिक्षण दिया गया। तैराकी टीम के मुख्य कोच प्रो. वी.के. डबास व सहायक कोच देवेन्द्र सिंह तोमर थे।

छपते-छपते...

इंडिया फिट 2009 अयोजित

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय व नेशनल स्पोर्ट्स डांस एंड फिटनेस फेडरेशन के संयुक्त तत्वावधान में 6 से 14 अक्टूबर तक एरोबिक्स पर केन्द्रित समारोह 'इंडिया फिट 2009' एलएनयूपीई में आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत एरोबिक्स की राष्ट्रीय स्पर्धा सहित जाज डांस कार्यशाला व एरोबिक्स स्पर्धाओं के मूल्यांकन के लिए निर्णायकों की कार्यशाला आयोजित की गई। स्विटजरलैंड की सुश्री सुसान ट्रैम्प ने जाज डांस का प्रशिक्षण दिया। एनएसडीएफएफ की महासचिव प्रो. मोनिका देवनाथ के संयोजन में आयोजित इस समारोह में ओलंपिक फ्रक विजेता प्रथम महिला सुश्री कर्णम मल्लेश्वरी, कुलपति मेजर जनरल एस.एन. मुखर्जी व श्रीमती तुषारकणा मुखर्जी की उपस्थिति उत्साहवर्धक रही।

प्रो. डबास लंदन गए

एलएनयूपीई अपने विशेषज्ञों को समय-समय पर अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर भी प्रदान करता है। इसी तारतम्य में राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारी के सिलसिले में खेल प्रबंधन एवं खेल पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष प्रो. वी.के. डबास लंदन गए। 15 सितंबर से प्रारंभ हुआ यह कार्यक्रम 35 दिन चलेगा। प्रो. डबास भारतीय पैरालिम्पिक तैराकी टीम के चीफ कोच हैं। निःशक्त तैराकों को अंतरराष्ट्रीय मंच दिलाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके साथ भारतीय पैरालिम्पिक टीम में सात तैराक भी प्रशिक्षण हासिल करने के लिए लंदन गए हैं जो कई वर्षों से एलएनयूपीई के स्वीमिंग पूल में तैराकी प्रशिक्षण ले रहे हैं।

पाइका प्रशिक्षण कार्यक्रम ने गति पकड़ी

पाइका मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम में उद्बोधन देते कुलपति।

फुटबॉल के गुर सीखते मास्टर ट्रेनर।

केन्द्रीय खेल मंत्रालय ने देश में खेल संस्कृति के विकास के लिए जो 'पंचायत युवा क्रीड़ा और खेल अभियान' (पाइका) कार्यक्रम प्रारंभ किया है, एलएनयूपीई को उसका राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र बनाया गया है। केन्द्रीय खेल मंत्रालय ने पाइका के मद में 8 हजार करोड़ रुपए आवंटित किए हैं।

पाइका के एलएनयूपीई स्थित रिसोर्स सेंटर को वित्तीय वर्ष 2009-10 के अंत तक पांच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर मास्टर ट्रेनर तैयार करने हैं। तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हो चुके हैं। 19 से 31 अगस्त तक आयोजित पहले प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए 70 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। दूसरा प्रशिक्षण कार्यक्रम 14 से 26 सितंबर के बीच संपन्न हुआ। इसमें 77 प्रतिभागी शामिल हुए। 29 सितंबर से प्रारंभ हुए तीसरे प्रशिक्षण कार्यक्रम में 107 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। चौथा व पाँचवां प्रशिक्षण कार्यक्रम क्रमशः दिसंबर 09 व मार्च 2010 में आयोजित होंगे। पाइका में कुल 20 खेल सम्मिलित किए गए हैं। 'पाइका' के तहत देश के हर गांव में क्रीड़ाश्री की नियुक्ति होनी है जो खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देंगे। एलएनयूपीई का पाइका रिसोर्स सेंटर विभिन्न राज्यों से आए खेल अधिकारियों को मास्टर ट्रेनर के रूप में तैयार करेगा। ये मास्टर ट्रेनर वर्तमान अकादमिक सत्र में 22 हजार क्रीडाश्री को प्रशिक्षित करेंगे।

मुख्य प्रशिक्षक व क्रीड़ाश्री की गाइडलाइन तैयार करने के लिए जून माह में एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। इसमें खेल मंत्रालय के उपसचिव श्री चिनप्पा, पाइका के मुख्य तकनीकी सलाहकार डॉ. प्रेमचंद कश्यप, यूनीसेफ के प्रतिनिधि विवेक रामचंदानी विशेष रूप से सम्मिलित हुए थे। कार्यशाला में मैजिक बस, राइट टू प्ले, नेहरू युवा केन्द्र, एनसीइआरटी, भारतीय पैरालम्पिक संघ एवं स्पेशल ओलंपिक के प्रतिनिधि भी सम्मिलित हुए।

हाल में प्रारंभ हुए पाइका के तृतीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में असम के खेल मंत्री भरतचंद्र नरह्रा विशेष रूप से उपस्थित हुए। उन्होंने बताया कि असम ने पाइका कार्यक्रम में अब तक सर्वाधिक रुचि ली है। मास्टर ट्रेनरों के प्रशिक्षण के बाद द्वितीय चरण में निर्धारित खेल स्पर्धाओं का आयोजन भी हो चुका है। तीसरे प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर कुलपति मेजर जनरल एस एन मुखर्जी सहित यूनीसेफ के प्रतिनिधि केविन डिसूजा उपस्थित रहे। दूसरे प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर मौजूद पायका के मुख्य तकनीकी अधिकारी श्री सगर ने कहा कि सही उम्र में खेल प्रतिभाओं की पहचान करना पाइका का मुख्य उद्देश्य है। कुलपति मेजर जनरल एस एन मुखर्जी ने कहा कि पाइका पंचायत को खेल संरचना के विकास के लिए प्राथमिक इकाई मानता है।

प्रो. डे ने अवकाश ग्रहण किया

विश्वविद्यालय में 'दादा' के नाम से लोकप्रिय प्रो. आर.एन. डे ने गत 30 जून को अवकाश ग्रहण किया। प्रो. डे की गणना एक्सरसाइज फिजियोलॉजी के मूर्धन्य विद्वानों में होती है। मितभाषी व शांतचित्त स्वभाव उनकी विशेषता रही है। अध्यापकों व विद्यार्थियों ने उनके सम्मान में समारोह आयोजित कर भावभीनी विदाई दी।

सदा याद आएंगे आप..

प्रो. डे को सम्मानित करते हुए स्वास्थ्य एवं योग विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. पीके. पांडेय व कुलसचिव डॉ. एल एन सरकार।

पटियाला में ओलम्पिक पदक विजेता मुक्केबाज विजेन्द्र कुमार के साथ प्रो. वी.के. डबास (बाएं), विद्यार्थीगण व संकाय सदस्य।

खेल पत्रकारिता के छात्रों ने किया

दिल्ली व पटियाला का भ्रमण

खेल पत्रकारिता पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम के विद्यार्थी अप्रैल के तीसरे सप्ताह में दिल्ली एवं पटियाला के भ्रमण पर गए। विभागाध्यक्ष प्रो. वीरेन्द्र कुमार डबास के नेतृत्व में विद्यार्थी सबसे पहले दिल्ली के प्रमुख मीडिया संस्थान देखने गए।

आज तक के पत्रकार वैभव वर्धन दुबे ने विद्यार्थियो को 'आज तक' समाचार चैनल का भ्रमण कराया व चैनल की कार्यप्रणाली के विषय में विस्तार से बताया। इंडिया टुडे, जनसत्ता व दूरदर्शन का खेलगांव स्थित मुख्यालय भी विद्यार्थियों ने देखा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के उपाध्यक्ष व राज्यसभा सदस्य श्री राजीव शुक्ला से भेंट बहुत यादगार रही। भूतपूर्व पत्रकार श्री शुक्ला ने लगभग एक घंटे तक लोधी रोड स्थित अपने निवास पर विद्यार्थियों से विस्तार से बातचीत की तथा पत्रकारिता के गुर बतलाये। पटियाला में विद्यार्थियों ने नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान के परिसर को देखा। वहां चल रही बॉक्सिंग की एक स्पर्धा के दौरान ओलंपिक कांस्य पदक विजेता विजेन्द्र कुमार का साक्षात्कार लेकर छात्र बड़े प्रसन्न हुए। विजेन्द्र कुमार ने सभी से बातचीत की और फोटो भी खिंचवाए।

बीसीसीआई उपाध्यक्ष व संसद सदस्य राजीव शुक्ला के साथ प्रो. डबास।

प्रो. डबास ने विद्यार्थियों की मुलाकात एनएसएनआइएस के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर लक्ष्मण सिंह रणावत से कराई जो एलएनयूपीई के ही विद्यार्थी रहे हैं। खेल प्रबंधन एवं खेल पत्रकारिता विभाग के संकाय सदस्य जयंत सिंह तोमर, राहुल त्रिपाठी व संजीव कुमार भौमिक ने इस भ्रमण कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

REFLECTIONS 2009

नियुक्ति

1. श्री तरुण प्रताप सिंह तोमर (फिल्म प्रोजेक्शनिस्ट सह फोटोग्राफर) — 10.06.2009
2. सुश्री उपमा भदौरिया (मैट्रन) — 30.06.2009

सेवानिवृत्ति

1. डॉ. आर. एन. डे (प्रोफेसर) — 30.06.2009
2. श्री आर. डी. प्रजापति (सहायक) — 31.07.2009
3. श्री राजाराम (प्लम्बर) — 30.09.2009

महत्वपूर्ण बैठक

1. बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट — 18.06.2009

आगामी कार्यक्रम

1. इंडिया फिट 2009 — 6-14 अक्टूबर 2009
2. बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट की बैठक — नवंबर 09
2. खेल मनोविज्ञान पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी — 21-24 दिसम्बर 2009
3. सीनियर नेशनल वॉलीबाल चैम्पियनशिप — 26 दिस. 09 - 6 जन. 2010
4. अखिल भारतीय अंतरविश्वविद्यालयीन जिमनास्टिक, रिद्मिक जिमनास्टिक व मलखम्ब स्पर्धा — 7-11 जनवरी 2010

मेजर जनरल एस एन मुखर्जी
कुलपति
(0751) 4000900 (ऑ)
(0751) 4000901 (नि.)
(0751) 4000990 (फैक्स)

डॉ. एल एन सरकार
कुलसचिव
(0751) 4000902 (ऑ), 4000929 (नि.)
(0751) 4000992 (फैक्स)

सम्पादक मण्डल

प्रो. वी. के. डबास
विभागाध्यक्ष
खेल प्रबंधन एवं खेल पत्रकारिता विभाग

मेजर डॉ. शशिभूषण शर्मा
उप-कुलसचिव (शैक्षणिक)

श्री जयंत सिंह तोमर
व्याख्याता

श्री राहुल त्रिपाठी
व्याख्याता

श्री संजीव कुमार भौमिक
व्याख्याता

श्री तरुण प्रताप सिंह तोमर
फोटोग्राफर

श्री राजेन्द्र कुशवाहा
ले-आउट डिजाइनर

प्रकाशन अवधि
अप्रैल 2009 से सितम्बर 2009

प्रकाशन तिथि
सितम्बर 30, 2009

Vol.-3, No.1, October 2009